Seventeenth Loksabha

an>

Title : Regarding construction of Dhalbhumgarh Airport

श्री बिद्युत बरन महतो (जमशेदपुर): सभापति महोदय, धन्यवाद। मैं अपने लोक सभा क्षेत्र के अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय को आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। मैंने कई बार इसे सदन में रखने का भी काम किया है। मेरे लोक सभा क्षेत्र का अतिमहत्वपूर्ण धालभूमगढ़ एयरपोर्ट है, वह 'उड़ान' स्कीम में है और हम लगातार प्रयास कर रहे हैं कि उसका काम शुरू किया जाए।

पिछली सरकार में एविएशन मिनिस्ट्री के स्टेट मिनिस्टर रहे माननीय श्री जयंत सिन्हा जी यहां बैठे हुए हैं। वर्ष 2019 के जनवरी महीने में उसका भूमिपूजन भी किया गया था, लेकिन आज तक उसकी शुरुआत नहीं हुई है। स्टेट गवर्नमेंट की अनदेखी के चलते आज तक इसकी शुरुआत नहीं हुई है। जमशेदपुर एयरपोर्ट इसलिए जरूरी है, क्योंकि वहां टाटा जैसा घराना और आठ-दस बड़े उद्योग हैं। वहीं आदित्यपुर इंडस्ट्री बेल्ट में लगभग हजारों उद्योग हैं, जहां से लोग विभिन्न क्षेत्रों में अपने बिजनेस के परपज़ से जाते हैं। वहां यूरेनियम, कॉपर और आयरन ओर की माइन्स भी हैं। मेरा आपके माध्यम से यही कहना है कि यह सिर्फ झारखण्ड के सीमावर्ती इलाके ही नहीं, बल्कि जो ओडिशा का बालासोर एक औद्योगिक क्षेत्र है, आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र है, पश्चिम बंगाल का खड़गपुर भी एक औद्योगिक क्षेत्र है, जो वहां से मात्र 72 किलोमीटर, 59 किलोमीटर और 46 किलोमीटर में हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय एविएशन मिनिस्टर जी आग्रह करना चाहता हूं कि राज्य सरकार से अविलम्ब बात करके, उनकी मंशा साफ करते हुए यह काम करें, क्योंकि झारखण्ड में जो अति आवश्यक है, उसे नजरअंदाज करके, अभी देवघर में निशिकांत दुबे जी ने नया एयरपोर्ट खुलवाया है, वे अब दुमका की बात कर रहे हैं। दुमका महज 32 किलोमीटर है और जमशेदपुर अति महत्वपूर्ण है, वे उसकी तरफ नहीं जाते हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी और एविएशन मिनिस्ट्री से निवेदन करना चाहता हूं कि टाटा जैसे उद्योग घराने जमशेदपुर में हैं। इंडस्ट्री बेल्ट के साथ-साथ वह माइन्स इलाका है। चाकुलिया में भी एयरपोर्ट है, वहां पूरी एक उद्योग नगरी है। इसलिए मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि धालभूमगढ़ का यह एयरपोर्ट, जो 'उडान' स्कीम में भी है, उसे जल्द से जल्द शुरू किया जाए। धन्यवाद ।